B-3
L-28
Indian Society

05/01/2024

भारत में किसान आत्महत्या

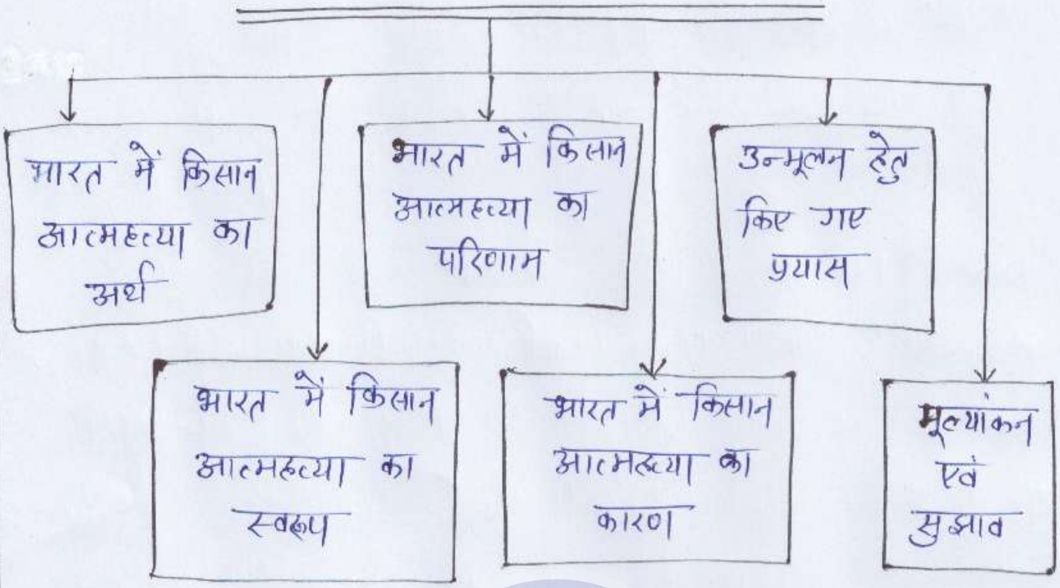

KHAN GLOBAL STUDIES
KGS IAS
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

भारत में किसान आत्महत्या का अर्थ-

मुख्यतः 1991 के बाद भारत के किसानों द्वारा उनके पेशा में उत्पन्न आपातकालीन परिस्थितियों से तनाव में, उनके द्वारा की जाने वाली आत्महत्या को किसान आत्महत्या की संज्ञा दी जाती है।

भारत में किसान आत्महत्या का स्वरूप-

1. मुख्यतः 1991 के बाद की स्थिति का परिणाम
2. प्रतिवर्ष लगभग 10 हजार किसान आत्महत्या और 2009 में सर्वाधिक 17368 किसान आत्महत्या – NCRB

3. 4 दिसम्बर को जारी NCRB की रिपोर्ट-2023 के अनुसार - 2022 में 11290 किसानों ने आत्महत्या की. जबकि 2021 में यह संख्या 10881 थी।

4. भारत में कुल किसान आत्महत्या का केवल पांच राज्यों में सर्वाधिक - महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़

5. 1995 से लेकर 2022 तक केवल महाराष्ट्र में सर्वाधिक 96000 किसान आत्महत्या (2022 में केवल महाराष्ट्र में 4248 किसान आत्महत्या दर्ज)

6. जनवरी 2023 से अगस्त 2023 तक (केवल 8 महीनों में) महाराष्ट्र में 1809 किसान आत्महत्या कर चुके हैं, जिनमें 50% से अधिक कपास उत्पादक विदर्भ क्षेत्र से

भारत में किसान आत्महत्या का परिणाम

⇓

1. स्वयं किसान पर दुष्प्रभाव
2. किसानों के परिवार पर दुष्प्रभाव
3. कृषक समुदाय पर दुष्प्रभाव (कृषि कार्य से पलायन - 2001 से 2016 तक 96 लाख किसान कम)

KGS KHAN GLOBAL STUDIES IAS Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

भारत में किसान आत्महत्या के कारण

⇓

1. कृषि का बाजारीकरण

⇓

फलतः नगदी खेती की अभिप्रेरणा में वृद्धि

2. उदारीकरण एवं वैश्वीकरण

⇓

फलतः बहुराष्ट्रीय कंपनियों के बीज, कीटनाशक, आदि से कृषि लागत में वृद्धि

3. आर्थिक सुधार - कृषि सब्सिडी में कटौती

⇓

फलतः कृषि लागत में वृद्धि

4. असंतुलित कृषि नीति

⇓

और उपभोक्ता उद्योगों के आगे किसानों के हितों की अनदेखी

5. आधारभूत अवसंरचनाओं (APMC, e-NAM, MSP, FCI आदि) की अपर्याप्तता

6. समुचित बाजार का अभाव एवं बिचौलिए पर निर्भरता

⇓

फलतः किसान को अपने उत्पाद का उचित मूल्य

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

न मिल पाना (केवल उत्तरप्रदेश में चीनी मिलों पर किसानों का 8 हजार करोड़ का बकाया)

7. उदारीकरण एवं खुली प्रतिस्पर्धा और अन्य देशों से भारत में सस्ते खाद्यान्न का आगमन

⇓

फलतः खाद्यान्न के मूल्य में कमी

8. किसानों में गरीबी (प्रति किसान / माह आय 2400 रूपये मात्र) तथा ऋणग्रस्तता (50% किसान कर्ज में - NSSO)

9. मानसून आधारित कृषि (61%)

10. कृषि भूमि का अधिग्रहण

किसान आत्महत्या को दूर करने हेतु उपाय

⇓

A. वित्तीय समावेशन का प्रयास -

⇓

i) - सस्ते ब्याज दर पर कृषि ऋण उपलब्ध कराना तथा इस प्रक्रिया को सरल बनाना

ii) - ऋण माफी योजना एवं आपातकालीन अनुदान योजना (भारत सरकार द्वारा आत्महत्या प्रभावित

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

पांच राज्यों के लिए 350 अरब रुपये का अनुदान- तथा 2018 में चुनाव जीतने के बाद छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश एवं राजस्थान सरकार द्वारा किसानों के कर्ज माफी योजना की शुरुआत)

3. 19 दिसम्बर 2018 में नीति आयोग द्वारा जारी 'New India 2022' में किसानों की आय दोगुनी करने का लक्ष्य

4. 2 जून 2019 - 'किसान सम्मान निधि योजना' के तहत सभी किसानों को सालाना 6000 रुपये देने की घोषणा साथ ही किसानों के लिए पेंशन योजना की घोषणा (प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना)

5. किसान क्रेडिट कार्ड योजना (KCC-1998)

6. किसानों की सुरक्षा हेतु बीमा योजना-
   - बागवानी, वृक्षारोपण, पुष्प खेती बीमा योजना
   - कृषि पंप बीमा योजना
   - पशु बीमा योजना

(प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना - 2016; पशुधन बीमा योजना - 2005)

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

नोट: प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में मार्च 2023 तक 36 करोड़ किसानों को जोड़ा गया है।

B. कृषि विकास हेतु अवसंरचनात्मक सुधार
⇓
(जैसे - राजीव गाँधी विद्युतीकरण योजना, नलकूप केन्द्रीय आर्थिक सहायता योजना, PM कुसुम योजना 2019 आदि)

C. विभिन्न मदों में सब्सिडी दिया जाना
⇓
(सम्मान किसान योजना - 2022)

D. कृषि से संबंधित नई प्रौद्योगिकी का विकास
1. नवीन फसलों की खेती को प्रोत्साहन
2. मिट्टी परीक्षण (मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना-2015)
3. जैविकीय क्रांति (जैविक खेती प्रोत्साहन योजना - 2005)

E. अन्य प्रयास
1. डेयरी उद्यमिता विकास योजना, 2005
2. ग्रामीण विकास हेतु विभिन्न विकास योजनाओं

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

का क्रियान्वयन

3. ई-चौपाल, किसान कॉल सेंटर आदि के रूप में प्रयास

4. नाना पाटेकर, अक्षय कुमार, Tata Group आदि द्वारा पीडितों को सहायता

5. समय-समय पर किसान आंदोलन एवं इनके द्वारा किए गए प्रयास

6. समय-समय पर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा किसान आत्महत्या के बारे में केन्द्र सरकार को निर्देश

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

मूल्यांकन एवं सुझाव-

A. सफलता के बिन्दु-

उपरोक्त प्रयासों से काफी हद तक किसानों की आत्महत्या की समस्या का समाधान संभव हुआ है तथा किसान आत्महत्या में कमी आयी है-

- 2012 में 13754 से घटकर 2021 में 10881 (NCRB Report 2022) और 2022 में 11290 किसान आत्महत्या (NCRB Report 2023)

B. परन्तु हम अभी भी अपेक्षित लक्ष्य से दूर हैं और किसान आत्महत्या अभी भी जारी है (2021 में 10881 और 2022 में 11290 किसान आत्महत्या)

⇓

इसलिए जरूरत है कुछ सुझावों पर अमल करने की तभी किसान आत्महत्या को रोककर एक समृद्ध, खुशहाल कृषक समाज के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

⇓

सुझाव

A. तत्कालिक सुझाव

1. तत्काल मुआवजा
2. प्रभावित लोगों को मनोवैज्ञानिक समर्थन
3. मजबूत सुरक्षातंत्र का निर्माण और किसान के उत्पादों का संरक्षण
4. एक ऐसे सूचनातंत्र का विकास जिसमें 24x7 कृषि एवं आपदा संबंधी सूचनाओं का प्रसारण हो

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

B. दीर्घकालिक सुझाव

1. कृषि नीति का पुनर्मूल्यांकन एवं इसमें संतुलन की स्थापना

2. आधारभूत अवसंरचनाओं का विकास तथा विकसित अवसंरचनाओं का समुचित क्रियान्वयन

3. वाणिज्यिक कृषि के लिए विशेष सुरक्षा व्यवस्था

4. अनुपूरक कृषि गतिविधियों (पशुपालन, मुर्गीपालन, दुग्ध उत्पादन आदि) एवं फसल के विविधिकरण को बढ़ावा

5. जैविक खेती को अधिक से अधिक प्रोत्साहन और नकली खाद्य विक्रेता को सख्त सजा

6. ज्यादा ब्याज वसूलने वाले साहूकारों एवं बिचौलियों की भूमिका की समाप्ति

7. समग्र कृषि बीमा योजना का विकास और सरकारी सब्सिडी में वृद्धि एवं विस्तार सभी किसानों तक (SC का निर्देश- कृषि ऋण देने से पहले फसल बीमा आवश्यक

KGS KHAN GLOBAL STUDIES IAS Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

महत्वपूर्ण तथ्य :-

1. भारत की लगभग 70% जनसंख्या कृषि पर निर्भर
2. भारत में कुल कार्यबल का 54.6% आबादी कृषि एवं उससे संबंधित कार्यों में लगी हुई है।
3. 2019-20 में देश की GDP में कृषि और उससे संबद्ध क्षेत्र की भागीदारी 16.5% रही है।
4. भारत में कुल 14 करोड़ किसान है।
5. भारत में कुल किसानों का 85% छोटे किसान (2 हेक्टेयर से कम खेत वाले) हैं।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

संभावित प्रश्न :-

1. भारत में किसान आत्महत्या पर चर्चा कीजिए और उसके लिए उत्तरदायी कारणों को सविस्तार प्रतिपादित कीजिए।
2. "हाल के दिनों में किसान आत्महत्या में हो रही वृद्धि विकासजनित समस्या है, जिसका समाधान विकास में ही निहित है।" चर्चा कीजिए।

3. किसान आत्महत्या हमारे कृषि विकास संबंधी नीति के दुष्परिणाम हैं। इससे आप कहां तक सहमत हैं? किसान आत्महत्या को रोकने हेतु हमें अपनी कृषि नीति में क्या परिवर्तन करना चाहिए? उत्तर दीजिए।

KGS KHAN GLOBAL STUDIES IAS
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR